टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(भारत सरकार एवं उ.प्र.सरकार का संयुक्त उपक्रम)
(A Joint venture of Govt. of India & Govt. of UP)
CIN : U45203UR1988GOI009822

पंडित दीनदयाल उपाध्याय 1916 2016 जन्म शताब्दी वर्ष

गणतंत्र दिवस सन्देश

टीएचडीसी परिवार के समस्त सदस्यों एवं उनके परिवार के सदस्यों को देश के 71वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें। आज का दिन भारतवर्ष के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि आज के ही दिन यानि 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकार करने के पश्चात देश में लागू किया गया, जिसके फलस्वरूप हमारा देश भारत एक संप्रभु लोकतान्त्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारत जैसे लोकतांत्रिक गणतंत्र के नागरिक के रूप में आप सभी को यह शुभकामनायें प्रदान करते हुए मुझे व्यक्तिगत हर्ष की अनुभूति हो रही है !

गणतंत्र दिवस हम सभी भारतवासियों को आत्मावलोकन का सुअवसर प्रदान करता है और हम सभी के समक्ष यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि एक जिम्मेदार नागरिक तथा संस्था के रूप में हमारा भारत की विकासयात्रा में क्या योगदान रहा । राष्ट्र निर्माण में टीएचडीसी इंडिया लि0 की भूमिका पर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि टिहरी बांध और कोटेश्वर बांध परियोजनायें आज भारत के विकास का परिचायक बन चुकी है । साथ ही गुजरात के पाटन एवं देवभूमि द्वारिका में स्थित पवन उर्जा प्लांट देश की विद्युत् उत्पादन क्षमता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं ।

"विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता.....समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता..." के अपने ध्येय को चरितार्थ करते हुए हम निरंतर देश के विद्युत उत्पादन में अपना योगदान बढा रहे हैं। वर्तमान में भारतीय विद्युत परिदृश्य में हमारा कुल योगदान 1513 मेगावाट का है । इसी कड़ी में ढुकवा लघु जल विद्युत परियोजना (24 मेगावाट) की तीनों इकाइयों को सफलतापूर्वक ग्रिड से जोड़ा जा चुका है, जिससे हमारी संस्थापित क्षमता बढ़कर 1537 मेगावाट होने जा रही है।

कई गंभीर चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के बाद टिहरी पीएसपी (1000 मेगा वाट) जल विद्युत परियोजना पर निर्माण कार्य संतोषजनक रूप से गतिमान है और विष्णुगाड पीपलकोटी (444 मेगा वाट) जल विद्युत परियोजना पर भरसक प्रयासों के बावजूद निर्माण कार्य आशानुरूप नहीं चल पा रहे हैं, हम परियोजना कार्यों को सुचारू रूप से चलाने हेतु सतत प्रयासरत हैं । आशा है निकट भविष्य में हमें संतोषजनक परिणाम प्राप्त हो पायेगें ।

खुर्जा सुपर थर्मल पॉवर प्लांट (1320 मेगा वाट) के कुल 07 पकैजों में से 02 मुख्य पैकेजों के कार्य अवार्ड किये जा चुके हैं और कार्यकारी संस्थाओं द्वारा निर्माण कार्य आरम्भ कर दिए गए हैं, 03 पैकेजों पर टेंडरिंग का कार्य प्रगति पर है। परियोजना हेतु रेलवे साइडिंग के दो पैकेजों के कार्य हेतु भी निविदाएँ आमंत्रित कर दी गयी हैं ।

भारत सरकार द्वारा सौर ऊर्जा विकास का जो कार्य सौपा हमें गया है, उसके प्रथम चरण के अंतर्गत केरल के कासरगोड में 50 मेगावाट के सौर ऊर्जा सयंत्र के कार्य को और सुगम बनाने हेतु कासरगोड में कार्यालय भी

स्थापित किया जा चुका है। कार्यदायी संस्था "टाटा पॉवर सोलर" ने निर्माण स्थल पर आवश्यक कार्य आरम्भ कर दिए हैं। इसके अतिरिक्त कासरगोड जिले के अम्बलतारा में 5 मेगा वाट के अन्य सौर ऊर्जा सयंत्र को विकसित करने हेतु केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के साथ पॉवर सेल अग्रीमेंट हस्ताक्षरित किया गया है।

भारत सरकार की सोलर पालिसी 2019 के तहत महत्वाकांक्षी सोलर पार्क स्कीम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में 1800 मेगा वाट के अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पॉवर पार्क को विकसित करने की जिम्मेदारी टीएचडीसी इंडिया लि० को सौंपी गयी है । इस परियोजना के निर्माण व विकास के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA) के साथ मिलकर Special Purpose Vehicle स्थापित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के ललितपुर, जालौन, झाँसी, बुंदेलखंड, मिर्जापुर आदि जिलों में सोलर पार्क विकसित करने हेतु भूमि की उपलब्धता की जाँच की जा रही है और शीघ्र ही हम भूमि क्रय कर इस कार्य को आगे बढ़ायेंगे। भारत सरकार की इसी स्कीम के तहत राजस्थान में भी 1500 मेगावाट के अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पॉवर पार्क को विकसित करने की जिम्मेदारी टीएचडीसी इंडिया लि० को सौंपी गयी है। इस परियोजना के निर्माण व विकास के लिए राजस्थान सरकार/ राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लि० (RREC) के साथ मिलकर सयुंक्त उपक्रम के तौर पर Special Purpose Vehicle स्थापित किया जायेगा।

दिनांक 27.09.2019 को टीएचडीसी इंडिया लि० व कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के मध्य अमेलिया कोल माईन के लिए Reduction in Peak Rated Capacity (PRC) and Amendment in Allotment Agreement पर हस्ताक्षर हुए । संशोधित PRC के आधार पर तैयार किये गए नए माइनिंग प्लान की स्वीकृति प्रक्रिया कोयला मंत्रालय से प्रगतिशील है ।

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत निगम द्वारा हरिद्वार एवं सिंगरौली (मध्य प्रदेश) को "आकांक्षी जिले" के रूप में अपनाया गया है जिसके तहत हरिद्वार में विकास कार्य सम्पादित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए है।

निगम के सेवारत व सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को अत्याधुनिक, बेहतर और सुगम उपचार सुविधा उपलब्ध करने के उद्देश्य से AIIMS Rishikesh के साथ एक समझौता पूर्व में किया गया था, इसी कड़ी में आगे बढते हुए, परियोजना प्रभावितों को मधुमेह के इलाज हेतु मुफ्त इंसुलिन उपलब्ध कराने हेतु भी AIIMS Rishikesh के साथ एक समझौता किया गया है। साथ ही निगम के अधिकारियों/कर्मचारियों को गुणवत्तापरक व सस्ती दवाइयां इत्यादि उपलब्ध करने के उद्देश्य से "अमृत फार्मेसी" जो भारत सरकार के उपक्रम एच एल एल लिमिटेड के अधीन है के साथ भी समझौता किया गया है, जिसके तहत "अमृत फार्मेसी" द्वारा ऋषिकेश औषधालय में एक मेडिकल स्टोर खोल दिया गया है।

किसी भी देश को बिना विद्युत के गतिमान बनाये रखना संभव नहीं है। विद्युत उत्पादन क्षमता देश की विकास दर निर्धारण का एक महत्वपूर्ण

पैमाना है और टीएचडीसी इंडिया लि० देश की विद्युत आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण भागीदार है यह हम सभी के लिए गर्व की बात है !

"ऊर्जा उत्पादन" ही नहीं **"ऊर्जा संरक्षण"** भी वर्तमान समय की आवश्यकता है और हमारा कारपोरेशन ऊर्जा संरक्षण का सन्देश घर-घर तक पहुचाने में अपना योगदान दे रहा है । भारत सरकार के ऊर्जा संरक्षण अभियान के अंतर्गत टीएचडीसी इंडिया लि० नोडल एजेंसी के रूप में प्रतिवर्ष "उत्तराखंड राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता" का आयोजन करते हुए अपना योगदान सुनिश्चित करती आ रही है।

वर्ष 2018-19 के अवशेष लाभांश के रूप में हमने भारत सरकार को 93.77 करोड़ रुपये तथा उत्तर प्रदेश सरकार को 32.23 करोड़ रुपये का भुगतान हाल में ही किया है, इस प्रकार 2018-19 के लाभांश के रूप में भारत सरकार को कुल 408.52 करोड़ रुपये तथा उत्तर प्रदेश सरकार को कुल 140.59 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। हाल में ही टीएचडीसी इंडिया लि० को 1500 करोड़ के बांड सफलतापूर्वक जारी करने के लिए Bombay Stock Exchange(BSE) द्वारा "Outstanding Performer Award" से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान टीएचडीसी इंडिया लि० के लिए और बेहतर करने की प्रेरणा है। उपरोक्त से हमारी सुदृढ़ तकनीकी व वित्तीय क्षमता परिलक्षित हो रही है।

गणतंत्र दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी से अपने-अपने कार्य स्थलों पर "कंपनी फर्स्ट" की अवधारणा पर विचार करते हुए निगम हित में अपना सम्पूर्ण योगदान देने की आशा करता हूँ और मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के समेकित प्रयासों से टीएचडीसी इंडिया

लि० आने वाले दिनों में भी देश की विकास गाथा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा ।

जय हिंद !

(डी.वी.सिंह)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक